भारतीय सेना के सम्मान को समर्पित सिंदूर यात्रा में सीएम भजनलाल शर्मा सपत्नीक शामिल हुए

सिंदूर यात्रा में भारी संख्या में माताओं-बहनों ने भाग लिया, भारत माता के जयकारों से गूंज उठा परकोटा

जयपुर, 20 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में हमारी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से बहनों का सिंदूर उजाड़ने वाले आतंकवादियों को कड़ा सबक सिखाया। बहनों के माथे की शोभा होने के साथ ही, सिंदूर हमारी संस्कृति और सम्मान का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को जयपुर में मातृशक्ति की ओर से आयोजित 'सिंदूर यात्रा' में धर्मपत्नी गीता शर्मा के साथ शामिल हुए।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि भारत की अखंड एकता ने आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया है कि आतताइयों को सबक सिखाने के लिए देशवासी पूरी तरह एकजुट हैं।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता देशवासियों के संकल्प और जज्बे का प्रतीक है। भारत की अखण्ड एकता ने आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया है कि आततायियों को सबक सिखाने के लिए देशवासी पूरी तरह एकजुट हैं। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए बहादुर जवानों को धन्यवाद दिया तथा वीर शहीदों को नमन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश की जांबाज बेटियों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि कैसे हमारी सेना ने विश्व के सामने भारत की सैन्य ताकत और नारी शक्ति का परचम लहराया।

मातृशक्ति की ओर से भारतीय सेना के सम्मान में आयोजित सिंदूर यात्रा में प्रदेश की महिलाओं के साथ, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की धर्मपत्नी गीता देवी ने भी पैदल यात्रा की। इस अवसर पर उन्होंने माताओं और बहनों के जोश और देशभक्ति की भावना की सराहना की।

गीता देवी ने यात्रा में साथ चल रही महिलाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह जैसे उदाहरणों ने नारी शक्ति के शौर्य और देशभक्ति को न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया के सामने गौरवपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया है। इस सिंदूर यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं भागीदार बनीं और भारत माता के जयघोष से वातावरण गूंज उठा।

हवामहल से प्रारंभ हुई यात्रा बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार से होती हुई, छोटी चौपड़ पर सम्पन्न हुई। यात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, जयपुर सांसद डॉ. मंजू शर्मा, जयपुर नगर निगम हैरिटेज मेयर कुसुम यादव, भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अलका गुर्जर, प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत, प्रदेश मंत्री स्टेफी चौहान, अभियान सह-संयोजक अपूर्वा सिंह, भाजपा नेता रवि नैय्यर, चन्द्रमनोहर बटवाड़ा, मोहन लाल गुप्ता सहित, अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नारी शक्ति उपस्थित रहीं।

जयपुर में मंगलवार को मातृशक्ति की ओर से आयोजित 'सिंदूर यात्रा' में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा धर्मपत्नी गीता शर्मा के साथ शामिल हुए। हवामहल से छोटी चौपड़ तक निकाली गई इस यात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया।

आज से विदेश यात्रा पर जाएंगे संसदीय प्रतिनिधिमंडल

नयी दिल्ली, 20 मई। पहलगाम आतंकवादी हमले एवं ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर वैश्विक कूटनीतिक समर्थन जुटाने के लिए गठित सात संसदीय दल 21 मई से पांच जून तक 33 देशों की यात्रा करेंगे और इन दलों में शामिल 51 राजनेता एवं आठ राजनयिक पाकिस्तान में मौजूद वैश्विक आतंकवादी ढांचे और उसके समर्थकों की पोल दुनिया के सामने खोलेंगे।

सूत्रों के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उपाध्यक्ष बैजयंत पाण्डा के नेतृत्व वाला पहला समूह 23 मई को बहरीन, 25 मई को कुवैत, 27 मई को सऊदी अरब और 30 मई को अल्जीरिया जाएगा। इस समूह में अन्य सदस्य भाजपा के निशिकांत दुबे, भाजपा के फांगनोन कोन्याक, भाजपा की रेखा शर्मा, ऑल इंडिया मजलिसे इत्तेहादुल मुस्लमीन के असद्दुदीन ओवैसी, नामांकित सतनाम सिंह संधु और गुलाम नबी आज़ाद हैं। पूर्व विदेश सचिव हर्ष वर्धन श्रृंगला भी इस समूह में जाएंगे। भाजपा के डॉ रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाला दूसरा समूह 25 मई को फ्रांस, 27 मई को इटली, 29 मई को डेनमार्क, एक जून को ब्रिटेन और पांच जून को जर्मनी जाएगा।

- **सात संसदीय दल 21 मई से 5 जून तक 33 देशों की यात्रा करेंगे।**

पाक सेना प्रमुख जनरल मुनीर का प्रमोशन, फील्ड मार्शल बनाए गए

आसिफ मुनीर से पहले 1959 में पाकिस्तान में ''फील्ड मार्शल'' बना था, जनरल अयूब ने खुद को फील्ड मार्शल घोषित किया था

इस्लामाबाद, 20 मई। पाकिस्तान सरकार ने सेना अध्यक्ष जनरल सैयद आसिम मुनीर की पदोन्नित कर उन्हें फील्ड मार्शल बना दिया है।

प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई संघीय मंत्रिमंडल की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। यह निर्णय भारत के साथ हुये सैन्य टकराव के बाद लिया गया है। मंत्रिमंडल के अनुसार जनरल मुनीर की पदोन्नित उनके उत्कृष्ट सैन्य नेतृत्व, बहादुरी और पाकिस्तान की संप्रभुता एवं प्रादेशिक अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता के मद्देनजर की गयी है।

मंत्रिमंडल ने वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिधू की सेवाओं और नेतृत्व क्षमता को मान्यता देते हुये उनका कार्यकाल बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण फैसला लिया है।

मंत्रिमंडल ने बैठक में पांच सूत्री कार्यसूची पर भी विचार-विमर्श किया। इसमें देश की संपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा स्थिति शामिल है। बैठक में अगले वित्तीय वर्ष के बजट प्रस्तावों पर भी विचार किया गया।

- **पाक सेना में फील्ड मार्शल सर्वोच्च रैंक का पद है, जो तीनों सेनाओं में सबसे ऊँचा माना जाता है।**
- **जनरल मुनीर को फील्ड मार्शल बनाना पाकिस्तान के इतिहास में विरला फैसला है। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने राष्ट्रपति आसिफ अली ज़रदारी से विचार विमर्श कर यह घोषणा की।**

जनरल मुनीर को फील्ड मार्शल के रैंक में पदोन्नति देना पाकिस्तान के इतिहास में एक विरला फैसला है। समझा जाता है कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति आसिफ अली ज़रदारी से भेंट कर उन्हें सेना प्रमुख को पदोन्नित देने के संबध में लिए जाने वाले फैसले पर विश्वास में लिया था।

मंत्रिमंडल ने एलान किया है कि भारत के विरुद्ध हाल के सैन्य अभियान के दौरान अपनी सेवायें देने वालों को उच्च स्तरीय राष्ट्रीय सम्मान से नवाज़ा जायेगा। इसके साथ ही अधिकारियों, सैनिकों, शहीदों, सेवानिवृत्त योद्धाओं और राष्ट्रीय हितों के लिये योगदान देने वाले विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को भी उनकी सेवाओं के लिये सम्मानित किया जायेगा।

पाकिस्तान में आसिम मुनीर से पहले 1959 में सैन्य तानाशाह अयूब खान ने खुद को फील्ड मार्शल घोषित कर दिया था।

फील्ड मार्शल पाकिस्तान सेना में सर्वोच्च सैन्य रैंक है, जो एक फाइव स्टार रैंक मानी जाती है। यह रैंक जनरल (फोर स्टार) से ऊपर है। पाकिस्तान में फील्ड मार्शल का पद सेना, नौसेना और वायुसेना में सबसे ऊंचा होता है।

नीतीश कुमार के दो पुराने व विश्वसनीय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बहुत फायदा मिलेगा।'' जुलाई, 2021 में जब नरेन्द्र मोदी सरकार ने जे डी यू को केवल एक कैबिनेट मंत्री का पद देने की पेशकश की थी, तथा आर सी पी ने उसके लिए स्वयं को मनोनीत कर दिया था, तभी से नीतीश के साथ उनके संबंधों में दरार पैदा हो गई थी और उसके बाद आर सी पी काफी भटके। आर सी पी के इस कदम से नीतीश और जेडीयू के ताकतवर नेता लल्लन सिंह उनसे नाराज हो गये थे। कुछ समय तक चुप बैठने के बाद, आर सी पी मई, 2023 में बाकायदा भाजपा में शामिल हो गये थे। लेकिन गत वर्ष जनवरी में कुमार के एन डी ए में शामिल हो जाने के बाद, आर सी पी की प्रासंगिकता समाप्त हो गई। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में, जब भाजपा ने उन्हें कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं दी, तो आर सी पी ने अपनी स्वयं की पार्टी बना ली, लेकिन उस पार्टी का कोई उम्मीदवार जीत नहीं पाया। इस समय, किशोर के साथ जुड़कर वे अपने राजनैतिक भविष्य के पुनः उदय होने की आशा संजोये हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई की

नयी दिल्ली, 20 मई। उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई की।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी की अगुवाई में याचिकाकर्ताओं ने नए प्रावधानों के कार्यान्वयन पर अंतरिम रोक लगाने का की गुहार लगाई। दोनों अधिवक्ताओं ने दलील देते हुए कहा कि वर्तमान स्वरूप में यह कानून मौलिक धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत के समक्ष केन्द्र सरकार का पक्ष रखा। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अपनी शुरुआती दलीलों में 2025 के संशोधनों को केन्द्र द्वारा वक्फ संपत्तियों का धीरे-धीरे अधिग्रहण करने की कोशिश करार दिया और कहा कि यह मुसलमानों के धार्मिक मामलों के प्रबंधन के अधिकार को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि नए प्रावधान दशकों से विकसित वक्फ ढांचे में एक व्यापक बदलाव हैं।

- **मुस्लिम पक्ष की तरफ से कपिल सिब्बल व अभिषेक मनु सिंघवी ने जिरह की वहीं सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केन्द्र सरकार का पक्ष रखा।**

सिब्बल ने वक्फ संपत्तियों का निर्धारण करने के लिए जांच तंत्र में उचित प्रक्रिया की कमी को भी रेखांकित किया। उन्होंने तर्क दिया, नामित अधिकारी एक सरकारी अधिकारी होता है जो अपने मामले में न्यायाधीश के रूप में कार्य करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वक्फ न्यायाधिकरण में तभी जाने की अनुमति है, जब किसी संपत्ति को वक्फ का दर्जा देने से मना कर दिया जाता है।

कांग्रेस ने ''ऑपरेशन सिन्दूर'' पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कूटनीति की विफलता बताया और आतंकवाद विरोधी अभियानों के बीच अचानक युद्धिवराम को लेकर चिंता जताई।

कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी पर सार्वजनिक जवाबदेही से बचने का आरोप लगाया और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के उस दावे का हवाला दिया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धिवराम कराया।

खड़गे ने कहा, जब हमारी सेना आतंकवाद के खिलाफ अभियान में लगी थी, उसी समय अचानक युद्धिवराम की घोषणा कर दी गई। पूरा देश अपनी सेना के साथ खड़ा था, लेकिन प्रधानमंत्री, ट्रंप के बयानों पर चुप रहे और देश को सच बताने के बजाय विदेशों में तस्वीरें खिंचवाते रहे, उन्होंने जोड़ा।

ये सवाल उस समय और तेज हुए, जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि भारत की सीमा पर बसे नागरिकों को सूचित करने से पहले पाकिस्तान को चेतावनी क्यों दी गई।

विवाद तब और बढ़ गया, जब राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर का एक वीडियो साझा किया, जिसमें वे पत्रकारों से कहते दिखे: ऑपरेशन की शुरुआत में, हमने पाकिस्तान को संदेश दिया कि हम उनके सैन्य ठिकानों पर नहीं, बल्कि आतंकी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर प्रहार कर रहे हैं, ताकि सेना खुद को अलग रख सके।

राहुल गांधी ने लिखा, ''हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को जानकारी देना अपराध है। विदेश मंत्री ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि सरकार ने ऐसा किया। इसका आदेश किसने दिया? हमारी वायुसेना को कितने विमान गंवाने पड़े?''

सोमवार को राहुल गांधी ने इस बयान को दोहराते हुए कहा, विदेश मंत्री जयशंकर की चुप्पी केवल संदेहास्पद नहीं है, वह निंदनीय है। मैं फिर पूछता हूँ: क्या पाकिस्तान को पहले से चेतावनी देने के कारण हमने अपने विमान खोये?

विदेश मंत्रालय ने सफाई दी कि जयशंकर की टिप्पणी को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया कि उन्होंने यह बयान दिया या नहीं।

मंत्रालय ने कहा, ''विदेश मंत्री ने कहा था कि हमने ''ऑपरेशन की शुरुआत में'' पाकिस्तान को चेतावनी दी, न कि उससे पहले। इसे झूठे ढंग से ऑपरेशन से पूर्व की चेतावनी के रूप में पेश किया जा रहा है।'' एक पूर्व भारतीय राजनयिक ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ''एक विदेश मंत्री को ऐसी चेतावनी देने की ज़रूरत ही क्यों पड़ी? क्या उन्हें लगता है कि पाकिस्तान इतना नासमझ है कि वह उस चेतावनी के निहितार्थ नहीं समझेगा?''

'पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को समाप्त करने के लिए पूरा देश एकजुट है'

सचिन पायलट ने सचित्र प्रदर्शनी ''स्वतंत्र भारत की झलक'' का उद्घाटन किया

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर सचित्र प्रदर्शनी, ''स्वतंत्र भारत की झलक'' का उद्घाटन किया।

जयपुर, 20 मई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने मंगलवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में आयोजित, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर लोक स्वराज मंच द्वारा आयोजित सचित्र प्रदर्शनी, ''स्वतंत्र भारत की झलक'' का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर सचिन पायलट ने मीडिया से बात की और भारत-पाकिस्तान के मध्य अप्रत्याशित तरीके से हुए सीज़फायर पर सवालिया निशान लगाते हुए केन्द्र सरकार से मांग की है कि वह देश को बताये कि किन मापदण्डों एवं आश्वासनों पर पाकिस्तान के साथ समझौता किया गया है।

उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान के मध्य जिस प्रकार से सीज़फायर किया गया और उसकी घोषणा किसी तीसरे देश के राष्ट्रपति द्वारा की गई, यह बहुत ही अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि जिस देश ने सीज़फायर के कुछ घण्टों बाद ही उसका उल्लंघन कर दिया हो वह भविष्य में इसकी पुनरावृति नहीं करेगा, इसकी क्या विश्वसनीयता है।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आई.एम.एफ. द्वारा पाकिस्तान को बहुत बड़ा ऋण दिया गया है, अमेरिका द्वारा पाकिस्तान के साथ व्यापार विस्तार की बात की जा रही है, ऐसे में इसकी क्या गारंटी है कि पाकिस्तान अपने संसाधनों का दुरूपयोग भारत के खिलाफ आतंकवाद को पनपाने के लिए नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सारे दल, पक्ष-विपक्ष, पूरा देश एकजुट है। जो ताकतें आतंकवाद को पनपाने का काम करती हैं, उनका सफाया होना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सेना ने जो शानदार प्रदर्शन किया है, उसके लिए भारतीय सेना की जितनी प्रशंसा की जाये उतनी कम है।

प्रधानमंत्री के प्रदेश के दौरे के सम्बन्ध में पायलट ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का प्रदेश में स्वागत है। प्रधानमंत्री पहले भी कई बार प्रदेश के दौरे पर आ चुके हैं, बड़ी-बड़ी घोषणाएं करके गये हैं, जो कि धरातल पर नहीं उतरी हैं। उन्होंने मांग की कि ई.आर.सी.पी. को राष्ट्रीय परियोजना बनाने का वादा, जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है, कम से कम इसे पूरा करके जायें।

- **कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव पायलट ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीज़ फायर की घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा करना अप्रत्याशित है। जिस देश ने सीज़ फायर के कुछ घंटों बाद ही उनका उल्लंघन कर दिया उसकी क्या विश्वसनीयता है।**
- **पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्थापित मापदंडों के बावजूद भाजपा सरकार विधायक कंवरलाल को बचाने का काम कर रही है, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।**

भाजपा विधायक कंवरलाल की विधानसभा सदस्यता मामले पर पायलट ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि माननीय न्यायालय के निर्णय के बाद स्थापित मापदण्डों के बावजूद भाजपा सरकार अपने विधायक को बचाने का काम कर रही है।

अधीक्षण अभियंता का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अवहेलना की है। ऐसे में उनके सर्किल कार्यालय को तत्काल कुर्क और सील किया जाए और उन्हें चेंबर में प्रवेश भी नहीं करने किया जाए। अदालत ने डिस्ट्रिक्ट जज, सीकर को कहा है कि वे अधीक्षण अभियंता के कार्यालय को कुर्क व सील करना सुनिश्चित करें और उन्हें कक्ष से बाहर बैठकर काम करने के लिए व्यवस्था कराई जाए। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने ये आदेश मुकेश कुमार शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने एसीएस, पीएचईडी को कहा है कि वे याचिकाकर्ताओं को न्यूनतम वेतन देने के संबंध में 21 अगस्त, 2020 और 16 अक्टूबर, 2020 को दिए आदेश की पालना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही, अधीक्षण अभियंता को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण लिया जाए कि क्यों न उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए। अदालत ने अधीक्षण अभियंता को अदालती आदेश की अवहेलना करने पर अवमानना नोटिस भी जारी कर पूछा है कि क्यों न उन्हें इस प्रकरण में दंडित किया जाए। अदालत ने कहा कि गत 21 अप्रैल को अदालत ने अधीक्षण अभियंता को कहा था कि आदेश की पालना करें अन्यथा शपथ पत्र पेश कर पालना नहीं करने का कारण बताएं। इसके बावजूद, न तो उनकी ओर से शपथ पत्र पेश किया गया और न ही वे स्वयं अदालत में पेश हुए। याचिका में अधिवक्ता विनायक जोशी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता पीएचईडी की जनता जल योजना में पंप चालक के तौर पर कार्यरत थे। न्यूनतम वेतन अथॉरिटी ने 21 अगस्त और 16 अक्टूबर, 2020 को पीएचईडी को आदेश दिए थे कि वे साल 1995 से साल 2012 तक याचिकाकर्ताओं के न्यूनतम वेतन की गणना कर भुगतान करें। इसके बावजूद, विभाग ने आदेशों की पालना नहीं की। सुनवाई के दौरान, अतिरिक्त महाधिवक्ता माही यादव ने अदालत को बताया कि सीकर अधीक्षण अभियंता के रूप में रमेश कुमार राठी कार्यरत हैं। इस पर अदालत ने उन्हें अवमानना नोटिस जारी करते हुए उनका चेंबर कुर्क और सील कर उन्हें बाहर से दैनिक काम करने को कहा है।

हाईकोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसएलपी खारिज होने की जानकारी नहीं दी है। वहीं, राज्य सरकार के अफसर इतना तो समझते हैं कि कौन सा भवन अवैध है और कौनसा नहीं। इसलिए अदालती आदेश की पालना जल्दी कराई जाए।

याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने राज्य सरकार को सात जुलाई तक का समय दिया है। हाईकोर्ट ने गत 25 फरवरी को राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह पूरी तरह से अवैध तौर पर चिन्हित 19 भवनों को तत्काल सील करे। इसके साथ ही कहा गया था कि रिहायशी क्षेत्र में अवैध निर्माण होना व व्यावसायिक गतिविधियों को संचालित करना कानूनी प्रावधानों की अवहेलना है। हाईकोर्ट के प्रसंज्ञान लेने के बाद, नगर निगम ने परकोटे के भवनों की तीन तरह की सूची बनाई थी। पहली सूची में पूरी तरह से अवैध 19 भवनों को शामिल किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगा स्वतः संज्ञान की जरुरत है। आपको कुछ करना होगा। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने 14 मई को स्वतः संज्ञान लेकर पुलिस को शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। अगले दिन 15 मई को हाई कोर्ट ने इसे ''बड़ा धोखा'' करार दिया और कहा कि वह खुद कार्यवाही की मॉनिटरिंग करेगा। उसके बाद शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने शाह की माफी ठुकरा दी और एसआईटी का गठन किया, जिसके गठन की 28 मई तक रिपोर्ट मांगी है।

विवाद तब सामने आया, जब मंत्री शाह द्वारा एक सार्वजनिक सभा में कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर की गई टिप्पणियाँ वायरल हो गईं। कुरैशी ने हाल ही में ''ऑपरेशन सिंदूर'' के बाद मीडिया को ब्रीफ किया था और इसमें उनके गरिमापूर्ण नेतृत्व की भारी प्रशंसा हुई थी। हालांकि शाह ने बाद में सफाई दी कि उनकी बातों को गलत समझा गया और उनका उद्देश्य कर्नल कुरैशी की प्रशंसा करना था, सुप्रीम कोर्ट ने उनकी माफी को ''गंभीरता से रहित'' बताया और सिरे से खारिज कर दिया।

धाराएं:

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के निर्देश पर, शाह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 152, 196(1)(बी), और 197(1)(सी) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

अटारी बॉर्डर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक तरफ भारतीयों की ओर से पूरा जोश दिखाया जा रहा था। वहीं इस बीच दूसरी तरफ पाकिस्तानी सेना की गैलरी पूरी तरह से खाली थी। पाकिस्तानी रेंजर्स ने भी औपचारिकता के तौर पर अपनी तरफ से झंडा फहराने की रस्म अदा की।

श्रीगंगानगर में 12 करोड़ की हेरोइन के साथ 5 तस्कर गिरफ्तार

तस्करों के पास तुर्की की जिगाना पिस्टल व प्रतिबंधित ऑस्ट्रेलिया मेड 6 ग्लॉक पिस्टल, मैगज़ीन व जिंदा कारतूस बरामद हुए

श्रीगंगानगर, (कासं)। भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के बाद कोल्ड वार जारी है। राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में पुलिस हाई अलर्ट पर है और सुरक्षा एजेंसियों ने भी निगरानी बढ़ा दी है।

इस बीच, श्रीगंगानगर में पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स और हथियार तस्करी के बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। कोतवाली और जवाहरनगर थाना पुलिस ने 2 अलग-अलग कार्यवाहियों को अंजाम देते हुए 5 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 2 किलो 183 ग्राम हेरोइन बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 12 करोड़ रूपए की कीमत है, जबकि एक तुर्किया मेड जिगाना पिस्टल और भारत में आमजन के लिए प्रतिबंधित ऑस्ट्रिया मेड 6 ग्लॉक पिस्टल के साथ ही, 13 मैगजीन और 32 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए।

पुलिस को आरोपियों के तार लॉरेंस गैंग से जुड़े होने की आशंका है। साथ ही, जिले में विदेशी हथियार किसे सप्लाई किए जा रहे थे, इसकी भी जांच शुरू कर दी गई। डीआईजी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी पंजाब के अमृतसर और मलोट से हेरोइन और विदेशी हथियार लाकर श्रीगंगानगर में सप्लाई करने की तैयारी में थे। पुलिस ने समय रहते गिरोह को पकड़ लिया। इससे बड़ी आपराधिक वारदात टल गई।

हालांकि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी श्रीगंगानगर में बड़ी वारदात को करने की तैयारी में थे। इसलिए पाकिस्तान से पंजाब पहुंची हेरोइन को श्रीगंगानगर लाया जा रहा था। वहीं, देश में प्रतिबंधित विदेशी हथियारों की भी मोटी रकम लेकर सप्लाई करने की प्लानिंग थी।

पुलिस के अनुसार, जिले में अभी तक पाकिस्तान से सटे बॉर्डर एरिया में ही हेरोइन मिलने के मामले सामने आए हैं। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद बॉर्डर एरिया में सख्ती बढ़ा दी गई है। ऐसे में तस्करों ने दूसरा रूट चुना। संभवतः यह पहली बार है कि जब पंजाब से श्रीगंगानगर तक सड़क मार्ग से इतनी तादाद में हेरोइन की खेप पहुंचाने की तैयारी थी। आरोपियों के पास से एक स्विफ्ट कार और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। इनका इस्तेमाल तस्करी समेत अन्य अपराधों में किया जा रहा था। पूछताछ में कई अहम जानकारी सामने आई हैं।

- **डी.आई.जी. गौरव यादव ने बताया कि आरोपी पंजाब के अमृतसर और मलोट से हेरोईन व विदेशी हथियार लाकर श्रीगंगानगर में सप्लाई करने की तैयारी में थे।**

पुलिस के अनुसार, गिरोह के पंजाब और अन्य सीमावर्ती राज्यों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तार जुड़े होने की संभावना है। इस ऑपरेशन में जिला स्पेशल टीम के कांस्टेबल अश्विनी की भूमिका अहम रही। उनकी सतर्कता से यह गिरोह पकड़ा गया। डीआईजी गौरव यादव ने कहा कि श्रीगंगानगर जैसे संवेदनशील इलाके में पुलिस चौकसी बढ़ा दी गई है। ड्रग्स और हथियार तस्करी में शामिल हर व्यक्ति पर सख्त कार्यवाही की जायेगी।

डीआईजी गौरव यादव ने बताया कि पुलिस ने जवाहरनगर और कोतवाली थाना इलाके में कार्यवाही करते हुए, इन सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली थाना पुलिस ने 5 विदेशी पिस्टल, 330 ग्राम हेरोइन और 29 जिंदा कारतूस के साथ एक स्विफ्ट गाड़ी को जब्त किया है। आरोपियों में देवेंद्र भांभू (29) पुत्र चुन्नीलाल भांभू निवासी वाटरवर्क्स कॉलोनी, श्रीगंगानगर, सुभाष (21) उर्फ अंकित पुत्र ओमप्रकाश निवासी 6 पुलिस थाना सदर, श्रीगंगानगर और सतनाम (25) उर्फ गुरविंदर पुत्र गुरमीत निवासी 6 श्रीगंगानगर है। फिलहाल तीनों से पूछताछ जारी है।

जवाहर नगर थाना पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें साहिल उर्फ चीकू (21) पुत्र विजयसिंह निवासी उम्मेवाला पीएस गोलूवाला, और सत्यनारायण (19) पुत्र अमीलाल, निवासी फरसेवाला गंगानगर हैं। दोनों आरोपियों के कब्जे से 2 ग्लॉक पिस्टल और 3 कारतूस के साथ 1 किलो 850 ग्राम हेरोइन बरामद की है। वहीं, पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी जब्त की है।

सिरसी रोड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपीलेट ट्रिब्यूनल में 25 अपीलें हुई थीं, जिनमें से 5 अपीलों पर पक्षकारों को जेडीए की कार्रवाई पर स्टे मिला है। इस पर अदालत ने जेडीए से स्टेट्स रिपोर्ट सहित यह बताने के लिए कहा है कि वह इन अतिक्रमणों को कब और कैसे हटाएंगे। अवमानना याचिका में कहा गया कि खंडपीठ ने जेडीए को निर्देश दिया था कि वह 200 फीट सिरसी रोड बाईपास से शुरू होकर खातीपुरा तिराहे तक और खातीपुरा तिराहे से झारखंड मंदिर मोड़ तक की रोड के दोनों ओर से सभी तरह के अतिक्रमण दो माह में हटाए। इसके बावजूद, जेडीए की ओर से पूरे अतिक्रमण नहीं हटाए गए।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908